सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी–221002

विज्ञापन संख्या – 01/2010 दिनांक 12.01.2010

अधोलिखित पदों पर नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र विश्वविद्यालय काउण्टर पर रू. 400/– नकद जमा कर अथवा डाक से रु. 425/– का बैंक ड्राफ्ट भेज कर अथवा विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.ssvv.up.nic.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकते हैं। वेबसाइट से डाउनलोड किए गये प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ रू. 400/– का बैंक ड्राफ्ट जो ''वित्त अधिकारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी'' के पक्ष में देय हो, के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। यथा विधि पूरित आवेदन पत्र को समस्त संलग्नकों के साथ रजिस्टर्ड डाक से ''कुलसचिव, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी'' को इस प्रकार प्रेषित किया जाय कि दिनांक. 15.03.2010 तक अवश्य प्राप्त हो जाय।

विज्ञापित पदों का विवरण

1. आचार्य (प्रोफेसर) 4 पद वेतनमान– 16,420-22,400 (पुनरीक्षित 37,400-67,000) AGP 10,000

(क) अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 1 पद

प्राचीन व्याकरण विषय में एक पद स्थायी

(ख) अनारक्षित 3 पद

दर्शन, पालि, साहित्य विषयों में एक–एक पद स्थायी

2. उपाचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर) 6 पद वेतनमान– 12,000-18,300 (पुनरीक्षित 37,400-67,000) AGP 9,000

(क) अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 2 पद

भाषा विज्ञान, ज्योतिष (खगोलशास्त्र/एस्ट्रोनामी) विषयों में एक–एक पद स्थायी

(ख) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित 3 पद

प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण, साहित्य विषयों में एक–एक पद स्थायी

(ग) अनारक्षित 1 पद

शांकर वेदांत विषय में एक पद स्थायी

3. प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) 35 पद वेतनमान– 8,000-13,500 (पुनरीक्षित 15,600-39,100) AGP 6,000

(क) अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 1 पद

आगम विषय में एक पद स्थायी

(ख) अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 11 पद

भाषा विज्ञान(ग्रीक/लैटिन), नव्य व्याकरण, सामवेद, पुराणेतिहास, बौद्ध दर्शन, फलित ज्योतिष, संगीत (तबला), विज्ञान, योगतन्त्र विषयों में एक–एक पद स्थायी तथा शिक्षाशास्त्र विषय में दो पद स्थायी

(ग) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित 10 पद

तिब्बती, गणित, मध्यवेदांत, योगतन्त्र, प्राचीनराजशास्त्रअर्थशास्त्र, अथर्ववेद, न्यायवैशेषिक नव्य–व्याकरण विषयों में एक–एक पद एवं अंग्रेजी विषय में दो पद स्थायी

(घ) अनारक्षित 13 पद

ज्योतिष (सिद्धांत/फलित/गणित), संगीत (गायन), संगीत (सितार), प्राचीन राजशास्त्रअर्थशास्त्र, योगतन्त्र, ऋग्वेद, न्याय वैशेषिक, भाषा विज्ञान (हिस्टारिकल), नव्य–व्याकरण, रूसी, जर्मन भाषा विषयों में एक–एक पद एवं शिक्षाशास्त्र विषय में दो पद स्थायी

विशेष :– विज्ञापित प्राध्यापक के पदों में से एक पद पर विकलांग अभ्यर्थी को नियमानुसार प्राथमिकता दी जायेगी।

4. निदेशक, अनुसंधान संस्थान 1 पद (अनारक्षित, Leave Vacancy पर) वेतनबैण्ड– 37,400-67000 ग्रेड पे 8,700

5. निदेशक, प्रकाशन संस्थान 1 पद (अनारक्षित) वेतनबैण्ड– 37,400-67000 ग्रेड पे 8,700

विज्ञापित पदों हेतु अर्हतायें

प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) पद हेतु अर्हतायें

1. वेद वेदांग, साहित्य संस्कृति, दर्शन, श्रमणविद्या और आधुनिक ज्ञान विज्ञान (शिक्षा शास्त्र विभाग के सिवाय) संकायों की स्थिति में विश्वविद्यालय में किसी प्रध्यापक के पद के लिये न्यूनतम अर्हताऐं,

   (क) सुसंगत विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा समतुल्य सात सूत्रीय वर्ग मांप में बी0ग्रेड। **(ख)** उत्तम शैक्षिक अभिलेख (होंगी)

2. आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय में शिक्षा शास्त्र विभाग की स्थिति में विश्वविद्यालय में किसी प्रध्यापक के पद के लिये न्यूनतम अर्हताऐं,

   (क) शिक्षा / एम0एड0 में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि अथवा समतुल्य सात सूत्रीय वर्ग मांप में बी0ग्रेड। **(ख)** किसी स्कूल विषय में स्नातकोत्तर उपाधि। **(ग)** उत्तम शैक्षिक अभिलेख (होंगी)

   विशेष–परन्तु किसी प्राध्यापक पद हेतु अर्हताओं में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के लिये स्नातकोत्तर उपाधियों में न्यूनतम प्राप्तांक 55 प्रतिशत के स्थान पर 50 प्रतिशत होंगे।

3. इस परिनियम के प्रयोजन के लिये उत्तम शैक्षिक अभिलेख

   सुसंगत स्नातक उपाधियों में न्यूनतम 50 प्रतिशत प्राप्तांक

4. प्राध्यापक के रुप में नियुक्ति हेतु राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या राज्य पात्रता परीक्षा (स्लेट) उत्तीर्ण होना अनिवार्य अर्हता होगी। परन्तु यदि कोई अभ्यर्थी सम्बन्धित विषय में डाक्टरेट ऑफ फिलासफी (पी–एच0डी0) की उपाधि धारित करता है तो उसे नेट या स्लेट परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य नहीं होगा।

5. स्नातक स्तर पर अध्यापन के लिये सम्बन्धित विषय में मास्टर ऑफ फिलासफी उपाधि धारित अभ्यर्थी भी अर्ह होंगे तथा इनके लिये नेट या स्लेट परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य नहीं होगा।

उपाचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर) के पद हेतु अर्हतायें

1. उत्तम शैक्षिक अभिलेख के साथ डाक्टरेट की उपाधि तथा सुसंगत विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 55 प्रतिशत प्राप्तांक अथवा समतुल्य सात सूत्रीय वर्ग मांप में बी0ग्रेड।
2. विश्वविद्यालय / महाविद्यालयों में शिक्षण का न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव तथा शोध के अनुभव के साथ ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि जो अभ्यर्थी द्वारा प्रकाशित रचना, शैक्षिक क्षेत्र में अभिनवीकरण, नवीन पाठ्यक्रमों की रूपरेखा में किये गये योगदान से प्रमाणित हों।

इस परिनियम के प्रयोजन के लिये उत्तम शैक्षिक अभिलेख

''उपाचार्य हेतु वह अभ्यर्थी 'उत्तम शैक्षिक अभिलेख' का धारक माना जायेगा, जिसने हाई स्कूल (या समकक्ष) एवं उससे उच्चतर सभी संगत परीक्षाओं में, जिसमें वह उत्तीर्ण हुआ है, न्यूनतम द्वितीय श्रेणी (या सात सूत्री वर्ग माप में ''सी'' वर्ग) अर्जित है।''

आचार्य (प्रोफेसर) पद हेतु अर्हतायें

ऐसा प्रख्यात विद्वान जिसकी प्रख्यापित रचना उच्च कोटि की हो और विश्वविद्यालय,राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में अनुसंधान कार्य में सक्रिय रूप से लगें हों तथा जिसे परास्नातक कक्षाओं में दस वर्ष का शिक्षण अनुभव तथा अनुसंधान के कार्य के मार्गदर्शन का अनुभव भी शामिल हो, **या** विषय का ख्यातिलब्ध मूर्धन्य विद्वान जिसने ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया हो।

निदेशक–अनुसंधान संस्थान हेतु अर्हतायें

1. पालि तथा प्राकृत के अच्छे ज्ञान तथा उत्कृष्ट शैक्षिक क्रम के साथ प्रथम / द्वितीय श्रेणी में एम0ए0 अथवा आचार्य अथवा तत्समकक्ष कोई उपाधि।
2. स्नातकोत्तर अथवा आचार्य कक्षायें पढ़ाने तथा अनुसंधान के पथ प्रदर्शन तथा पर्यवेक्षण का कम से कम 15 वर्षों का अनुभव।
3. किसी विश्वविद्यालय या अनुसंधान संस्थान में अनुसंधान प्रकाशनों का पथ प्रदर्शन तथा पर्यवेक्षण का अनुभव।
4. अनुसंधान कार्य के संघटन तथा समन्वयक का अनुभव।
5. अच्छी अनुसंधान उपाधि अथवा ख्यातिलब्ध अनुसंधान प्रकाशन।

वांछनीय–कम से कम दो प्रसिद्ध योरोपीय भाषाओं के परिचय।

विशेष–चयन समिति अपने विवेक पर विशेष परिस्थिति में उक्त अर्हता में छूट दे सकती है।

निदेशक, प्रकाशन संस्थान हेतु अर्हतायें

1. आचार्य / एम.ए. (संस्कृत) सहित आचार्य पद हेतु निर्धारित अन्य सभी अर्हतायें।

विशेष : 1. पाण्डुलिपियों के प्रकाशन एवं शोध में विशेष दक्षता को वरीयता दी जायेगी।
2. पाण्डुलिपि विज्ञान में योग्यता एवं अनुभव।

आवश्यक सूचना

1. शासन के निर्देशानुसार क्र.सं. 1,2 एवं 3 के पदों पर पुनरीक्षित वेतनमान देय होगा।
2. क्र.सं. 1,2 एवं 3 के पदों पर विश्वविद्यालय अधिनियम एवं परिनियम में वर्णित अर्हताऐं अनिवार्य हैं।
3. क्र.सं. 1,2 एवं 3 के पदों पर यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अथवा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा साक्षात्कार के पूर्व अर्हताओं तथा आरक्षण नियमों में कोई संशोधन स्वीकृत कर लिया जाता है तो संशोधित अर्हताएं एव आरक्षण लागू होगी।
4. विज्ञापन सं 2/2003, दिनांक 27.05.2003, विज्ञापन सं 1/2004, दिनांक 06.08.2004, विज्ञापन सं 5/2004, दिनांक 06.12.2004, विज्ञापन सं 3/2006, दिनांक 31.05.2006, एवं विज्ञापन सं 1/2007, दिनांक 11.07.2007, द्वारा विज्ञापित पदो के सातत्य में जो अभ्यर्थी आवेदन पत्र प्रेषित कर दिये हैं उन्हें पुनः आवेदन पत्र प्रेषित करने की आवश्यकता नहीं है।
5. आचार्य प्राचीन व्याकरण, उपाचार्य प्राचीन व्याकरण, नव्य व्याकरण एवं प्राध्यापक योगतन्त्र (अनु0जाति, अ0पि0व0, एवं अनारक्षित) पद के सापेक्ष उक्त विज्ञापनों द्वारा आवेदन प्रेषित करने वाले अभ्यर्थी पुनः आवेदन प्रस्तुत करेंगे।
6. साक्षात्कार हेतु आमन्त्रित करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित होगा।
7. सेवारत अभ्यर्थी नियोजक के माध्यम से ही आवेदन करें।
8. प्रत्येक पद के लिए अलग–अलग आवेदन करना अनिवार्य है।
9. स्थायी पदों पर नियुक्ति एक वर्ष के परिवीक्षण काल पर की जाएगी जिसे एक वर्ष से अनधिक काल के लिए बढाया जा सकता है।
10. साक्षात्कार मे सम्मिलित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा–भत्ता देय नही होगा।
11. आवेदन पत्र में उल्लिखित योग्यता/अर्हता/अनुभव आदि के प्रमाण स्वरूप अपेक्षित प्रमाण पत्रों की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
12. आवेदन पत्र के किसी कालम मे विवरण अंकित करने मे स्थान की कमी होने पर पृथक रूप से पूरित प्रपत्र को संलग्न किया जा सकता हैं।
13. आवेदन पत्र को प्रेषित करते समय लिफाफे के उपर पदनाम, विषयनाम एवं विज्ञापन संख्या का उल्लेख करना अनिवार्य है।
14. विज्ञापित पदों में से किसी भी पद को अथवा समस्त विज्ञापन को निरस्त करने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

कुलसचिव
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

सं0सा0 2367/2010 दिनांक : 12.01.2010

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. कुलपति के सचिव।
2. आशुलिपिक, कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
3. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
4. सिस्टम मैनेजर को इस आशय से प्रेषित कि उक्त विवरण को विश्वविद्यालय के वेइसाइट पर उपलब्ध करायें।
5. अधीक्षक लेखानुभाग को इस आशय से प्रेषित कि विज्ञापित पदों के लिये निर्धारित आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक सुलभ करायें।
6. जनसम्पर्क अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि कुलपति जी के निर्देशानुसार समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रसारित करायें।
7. कुलसचिव, समस्त संस्कृत विश्वविद्यालय/मानित संस्कृत विश्वविद्यालय को इस अनुरोध के साथ कि वे अपने सूचानापट्ट पर विज्ञापन को चस्पा करायें।
8. विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, समस्त विश्वविद्यालय।
9. प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के समस्त परिसर।
10. समस्त विभागानुभाग।
11. सम्बद्ध पत्रावली।

कुलसचिव
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी–221002

आवेदनपत्रम्

विज्ञापन–संख्या..

प्रार्थितं पदं विषयश्च...

बैंक ड्राफ्ट संख्या..

दिनांकः...

नवीन स्वप्रमाणित छायाचित्रम्

अनु0ज0जा0	अनु0 जा0	अ0पि0व0	अनारक्षित

1. प्रार्थिनः पूर्णनाम

2. पूर्णः वर्तमानस्थानसंकेतः

3. जन्मतिथिः

4. स्थायिस्थानसंकेतः

5. जन्मकालिकी वर्तमाना च राष्ट्रियता धर्मश्च

6. पितुर्नाम, तदीयो वर्तमानः पूर्वो वा व्यवसायः

7. प्रार्थिनो मातृभाषा, अन्य भाषा
   यद्भाषणपाठनलेखनेषु प्रार्थी पूर्णतया पटुः

8. उत्तीर्ण परीक्षाणां विवरणम्

परीक्षाः	वर्षम्	परीक्षासंस्था	विषयाः	प्रतिशतम्	श्रेणी
1.पूर्वमध्यमा / हाईस्कूल तत्समा वा					
2.उत्तरमध्यमा / इन्टर,, तत्समा वा					
3.शास्त्री, / बी0ए0 तत्समा वा					
4.आचार्यः, / एम0ए0 तत्समा वा					
5.अनुसंधानोपाधिः पी–एच0डी0					

9. प्राप्तच्छात्रवृत्तीनां विस्तृतं विवरणम्

10. अनुसंधानकार्यविवरणम्। (अत्रानुसंधानसम्बद्धप्रकाशितलेखानां विषयस्तल्लेखनावहपत्रपत्रिकाणां नामभिः सह लेख्या महनीयलेखाः, आवेदनपत्रे संयोजाश्च)

(क)

(ख)

(ग)

(घ)

11. (क) कार्यानुभवः –

क्रम सं0	पदनाम	अवधिः	वेतनक्रमः	संस्था–नाम

(ख) प्रार्थितं प्रारम्भिकं वेतनम् (यद्युच्चप्रारम्भिकवेतनोऽपेक्ष्यते तर्हि सप्रमाणं कारणं स्पष्टीकरणीयम्)

12. संलग्नप्रमाणपत्राणां संख्या...

13. अन्य विवरणम् ....

पूर्वस्तम्भेष्वनिर्दिष्टस्यैतत्पदोपयोगिनो विशिष्टस्याध्ययनस्यानुभवस्य वाऽवोल्लेखः कार्यः।

स्थानापर्याप्तौ पत्रान्तरे विवरणं लेख्यम्।

प्रार्थिनो हस्ताक्षरम्

दिनांकः

सेवायोजकस्यानापत्ति–प्रमाणपत्रम्

प्रमाणीक्रियते यद् श्री / श्रीमती / कुमारी...

(पदनाम).. (संस्था)..वर्षतः कार्य करोति। अस्यान्यत्र नियुक्त्यनन्तरमत्रतो वियुक्तौ नास्ति काऽप्यापत्तिरिति।

हस्ताक्षरं पदं मुद्रा च

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी–221002

शैक्षिकविवरणम्

पदनाम, विषयश्च..

2. नाम ....जन्मतिथि...
3. पितानाम ....
4. पूर्णः संकेतः ....
....
5. अध्यापनानुभवः .... वर्षाणि .... मासाः ....
6. वर्तमानं पदम् .... वेतनक्रमः ....
6. शैक्षिक्वर्हता

क्र0स0	परीक्षाः	परीक्षा–संस्था	उत्तीर्णतावर्षम्	श्रेणी	प्रतिशतम्
क	पूर्वमध्यमा / हाईस्कूल				
ख	उत्तरमध्यमा / इन्टर,				
ग	शास्त्री, / बी0ए0				
घ	आचार्यः, / एम0ए0				
ङ	एम0 फिल0				
च	विद्यावारिधिः / पी–एच.डी				
छ					
ज					
झ					
ञ	(अ)राष्ट्रीयपात्रता (नेट / जे0आर0एफ0) (ब) 1993 ई0 वर्षे प्रस्तुतः शोधप्रबन्धः (स) 1993 ई0 तः पूर्वं प्राप्तः शोधोपाधिः				

7. शोधप्रबन्धस्य (पी–एच0डी0) विषयः ....
8. कार्यानुभवः

क्रम सं0	पद–नाम	अवधिः	वेतनक्रमो मूलवेतनश्च	संस्था–नाम

9. शोधनिर्देशनानुभवः (प्राप्तोपाधिच्छात्राणां संख्या) ....
10. उपाध्युत्तरशोधकार्य विवरणम् ....
11. प्रकाशन विवरणम्

	ग्रन्थ–नाम	प्रकाशकः	प्रकाशनवर्षम्
2. शोधग्रन्थः 3. मौलिकग्रन्थः 4. सम्पादनम् 5. अनुवादः 6. टीका			

12. प्रकाशितः शोधलेखा अन्ये च लेखाश्च (संख्यामात्रोल्लेखः कार्यः, लेखप्रतयो गन्थादिकन्च साक्षात्कारसमये सहैवानेतव्यम्) ....

दिनांकः ....   अभ्यर्थिनः पूर्ण हस्ताक्षरम्